CLASS 2ND HINDI ASSIGNMENT

*Chapter 1*homework & learn u1

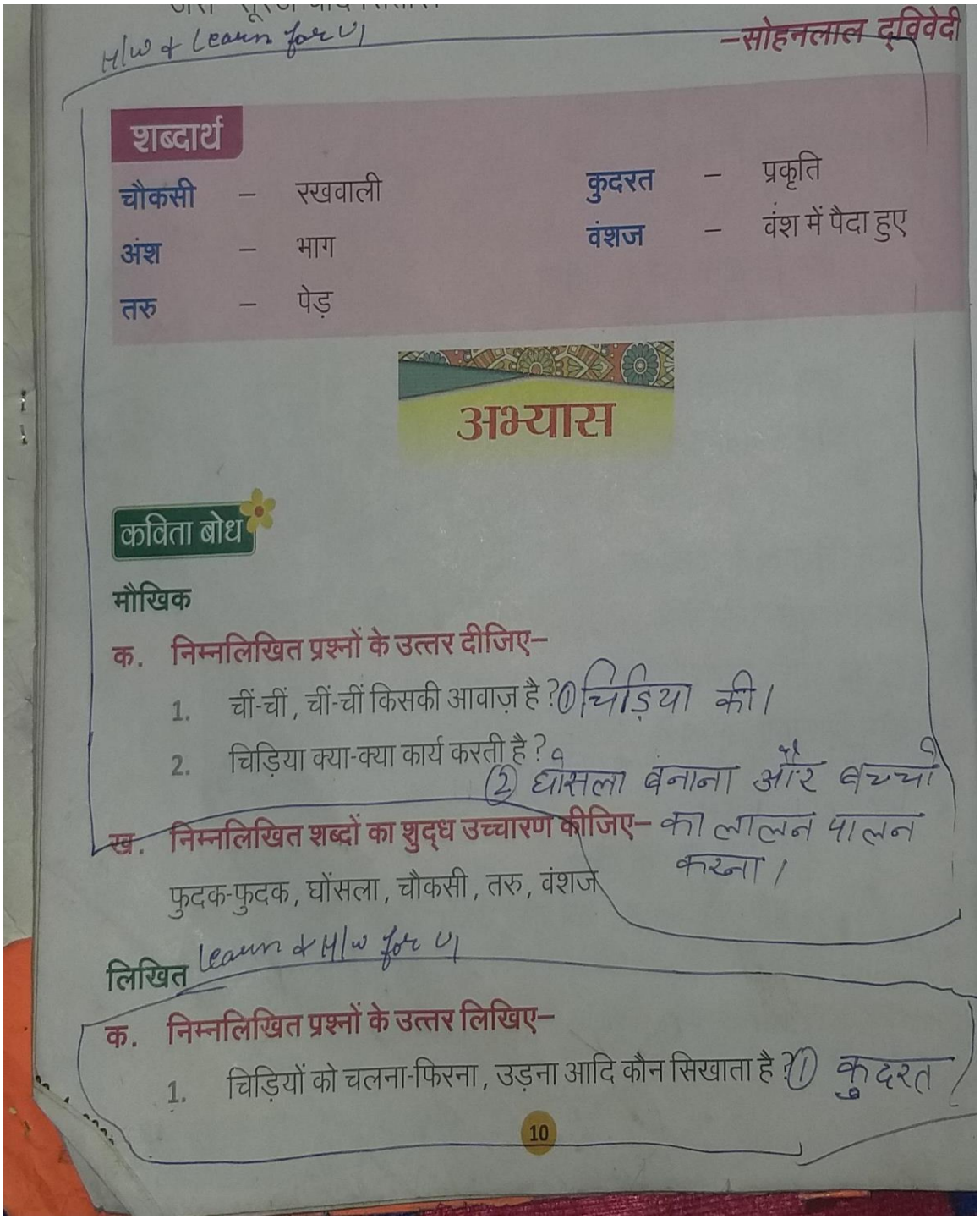

H/w & Learn for u1

–सोहनलाल द्विवेदी

शब्दार्थ

चौकसी	–	रखवाली	कुदरत	–	प्रकृति
अंश	–	भाग	वंशज	–	वंश में पैदा हुए
तरु	–	पेड़			

अभ्यास

कविता बोध

मौखिक

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. चीं-चीं, चीं-चीं किसकी आवाज़ है ? (1) चिड़िया की।
2. चिड़िया क्या-क्या कार्य करती है ? (2) घोंसला बनाना और बच्चों का लालन पालन करना।

ख. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए–

फुदक-फुदक, घोंसला, चौकसी, तरु, वंशज

लिखित Learn & H/w for u1

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. चिड़ियों को चलना-फिरना, उड़ना आदि कौन सिखाता है ? (1) कुदरत

2. कुदरत सब कुछ देकर बदले में क्या लेती है ? (2) कुछ भी नही।

3. हम सब किसके अंश हैं ? कुदरत के।

ख. कविता की निम्नलिखित पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. कौन सिखाता फुर से उड़ना,
दाने चुग-चुग खाना ?

2. कौन सिखाता तिनके ला-लाकर,
घोंसले बनाना ?

3. कुदरत का यह खेल,
वही हम सबको, सब कुछ देती।

4. किंतु नहीं बदले में हमसे,
वह कुछ भी नहीं लेती।

ग. चिड़िया के विषय में कौन-सी बात सही नहीं है ?

1. चिड़िया चीं-चीं करती है। ☑
2. चिड़िया घास खाती है। ☒
3. चिड़िया तिनका ला-लाकर घोंसला बनाती है। ☑
4. चिड़िया आसमान में उड़ती है। ☑
5. चिड़िया अपने बच्चों का पालन-पोषण नहीं करती है। ☒

भाषा-बोध

क. जो मेल नहीं खाता, उस पर × लगाइए–

1. (i) फुदक-फुदक ☐ (ii) ठुमक-ठुमक ☐
(iii) चलना-फिरना ☒ (iv) मटक-मटक ☐

2. (i) चीं-चीं ☐ (ii) काँव-काँव ☐
(iii) टर्र-टर्र ☐ (iv) चीखना ☒

उनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता।

शब्दार्थ

चर्चा	– बातचीत	उत्सुकता	– जानने की इच्छा
टाँग अड़ाना	– रुकावट पैदा करना	दृष्टि	– नज़र
प्रतिमा	– मूर्ति	प्रसन्न	– खुश
संकेत	– इशारा	तरकीब	– उपाय
सिटपिटाना	– चकराना	असंभव	– न हो सकने वाला
मंद-मंद	– धीरे-धीरे	अन्नदाता	– अन्न देने वाला

H/W & Learn for U,

चुनौती	–	ललकार	तत्काल	–	तुरंत
सदा	–	हमेशा	सन्नाटा	–	चुप्पी
उपस्थित	–	हाज़िर	ईर्ष्या	–	जलन
सौंपना	–	देना	मुकाबला	–	सामना
प्रशंसा	–	बड़ाई			

पूर्व एवं वर्तमान मानक वर्तनी

पूर्व		वर्तमान
सिद्ध	–	सिद्ध
बुद्धिमान	–	बुद्धिमान
विरुद्ध	–	विरुद्ध

H/W & Learn for U,

अभ्यास

पाठ बोध

मौखिक

③ दो हाथ लंबा धुआँ नापने का कार्य दिया।

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. महाराज कृष्णदेव राय के अधिकांश मंत्री किससे जलते थे? ① तेनालीराम से।
2. क्या महाराज कृष्णदेव राय ने मंत्रियों को उनकी योग्यता सिद्ध करने का अवसर प्रदान किया ? ② हाँ
3. मंत्रियों को अपनी योग्यता सिद्ध करने के लिए क्या कार्य दिया गया ?
4. तेनालीराम ने धूपबत्ती का धुआँ किसमें इकट्ठा किया ? ④ काँच की नली में।

ख. निम्नलिखित शब्दों का सही उच्चारण कीजिए

(2) कि महाराज उन सब को भी अपनी योग्यता सिद्ध करने का अवसर देंगे।

लिखित (3) दो हाथ लंबा धुआँ नापने का कार्य दिया।

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए– तेनालीराम से

H/W & Learn for (1)

1. महाराज कृष्णदेव राय के अधिकांश मंत्री किससे जलते थे ?
2. सभी दरबारी महाराज कृष्णदेव राय की किस बात से प्रसन्न हो उठे ?
3. योग्यता सिद्ध करने के लिए कृष्णदेव राय ने दरबारियों को क्या कार्य दिया ?
4. सभी दरबारी थक-हारकर क्यों बैठ गए (4) क्योंकि वे लोग धुआँ नही नाप पाए।
5. तेनालीराम ने दो हाथ लंबा धुआँ किस प्रकार नापा ?

(5) एक काँच की नली लेकर।

ख. किसने-किससे कहा–

1. ``हर मामले में तेनालीराम अपनी टाँग अड़ाते हैं और चतुराई का श्रेय स्वयं ले जाते हैं।''

एक मंत्री ने महाराज से कहा

2. ``आप लोगों को अपनी योग्यता सिद्ध करने का अवसर दिया जाएगा।''

महाराज ने दरबारियों से कहा।

3. ``मैंने सदा आपके आदेश का पालन किया है, इस बार भी करूँगा।''

तेनालीराम ने महाराज से कहा।

4. ``अब तो आप लोग मान गए कि तेनालीराम बुद्धिमान हैं और उनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता।''

महाराज ने दरबारियों से कहा।

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. महाराज कृष्णदेव राय अपने दरबारियों के साथ किस चर्चा में व्यस्त थे ?
   - (i) वीर और वीरता की चर्चा में ☐
   - (ii) चतुर और चतुराई की चर्चा में ☑
   - (iii) सुंदरता की चर्चा में